...के बारे में सोचते हुए

एजेंसी

एजेंसी होने का मतलब है - “घटनाओं को प्रभावित करने और दुनिया पर छाप डालने के लिए विकल्पों का चयन करने व निर्णय लेने में समर्थ होना।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 45)।

बच्चों में एजेंसी की भावना विकसित होने से उन्हें इस बात का एहसास होता है कि वे अपने निर्णय स्वयं लेने में और अपने जीवन को स्वयं नियंत्रित करने में सक्षम हैं। एजेंसी की भावना पहचान की सशक्त भावना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती है।

आप एजेंसी की भावना विकसित करने के लिए बच्चों का समर्थन कैसे करते हैं?

आपकी सेटिंग में क्या-क्या ऐसे अवसर हैं जिनसे बच्चे स्वयं को प्रभावित करने वाली चीजों के बारे में सार्थक निर्णयों और विकल्पों का चयन कर सकते हैं?

बच्चे अपने दिन के किन पहलुओं का नियंत्रण स्वयं कर सकते हैं?

...के बारे में सोचते हुए

सीखने की प्रवृत्तियां

प्रवृत्तियां जीवन के बारे में सोचने के तरीके होते हैं। वे इस बात का वर्णन करती हैं कि हम आम-तौर पर स्थितियों के जवाब कैसे देते हैं। हम शर्मीले या बहुत मिलनसार व बोलने वाले, उत्साही या निराशावादी, ऊर्जावान या सौम्य हो सकते हैं। ये सभी विशेषताएं प्रवृत्तियां होती हैं।

ई वाई एल एफ का उद्देश्य ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देना है जोकि नया सीखने के लिए उत्प्रेरित करती हैं, जैसे जिज्ञासा, सहयोग, रचनात्मकता, सुदृढ़ता और उत्साह।

आप इन प्रवृत्तियों के विकास को कैसे बढ़ावा देते हैं?

आप अपनी सेटिंग में बच्चों को रचनात्मक और जिज्ञासु बनने के लिए कैसे प्रोत्साहित करते हैं?

आप बच्चों में सुदृढ़ता और लगनशीलता विकसित करने में कैसे मदद देते हैं?

आपकी देखभाल में बच्चे आत्म-विश्वास से परिपूर्ण और सम्मिलित शिक्षार्थी कैसे बनते हैं?

SCOOBY
-DOO!

...के बारे में सोचते हुए

पेडागॉजी

पेडागॉजी "शिक्षण की कला" का वर्णन करती है। हम जिस तरह से बच्चों के साथ काम करते हैं, वह हमारी पेडागॉजी होती है। इसमें हम क्या करते हैं, हम कैसे करते हैं और हम ऐसा करने के बारे में कैसा सोचते हैं – ये सभी शामिल हैं। हमारी पेडागॉजी आम-तौर पर हमारे स्वयं के अपने विश्वासों, हमारे अनुभव और बच्चों और शिक्षा के बारे में हमारे पेशेवर ज्ञान का एक सम्मिश्रण होती है।

ई वाई एल एफ हमें अपनी पेडागॉजी पर फिर से सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है जिससे कि यह सुनिश्चित हो पाए कि हम क्या कर रहे हैं, इस पर हम ध्यान से सोच सकें। हम जो कर रहे हैं, हमें उसके पीछे कारणों का भी ज्ञान होना चाहिए; बजाय इसके कि हम बिना सोचे-समझे कुछ भी करें क्योंकि "इस तरह से यह हमेशा किया जाता रहा है।" हम क्या करते हैं, इस बात पर नियमित रूप से ध्यान दे कर हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारी पेडागॉजी अद्यतन और प्रभावी रहे।

अपनी खुद की "पेडागॉजी" या बच्चों के साथ काम करने के तरीके के बारे में सोचें। यदि आपको इसे किसी और को समझाने के लिए कहा जाए, तो आप क्या कहेंगे?

आप अपने काम के कौन से सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रकट करेंगे?

DAD'S
LITTLE
APPRENTICE

...के बारे में सोचते हुए

साभिप्राय शिक्षण

“अभिप्राय” होने का मतलब यह है कि हम जो कुछ भी करते हैं, उसके पीछे एक उद्देश्य या कारण हो। साभिप्राय शिक्षण इस बारे में है कि हम बच्चों के साथ अपने काम में एक उद्देश्य या कारण विकसित करें। जब हमारा शिक्षण “साभिप्राय” होता है, तो इसका मतलब है कि हम कोई काम क्यों कर रहे हैं और हम क्या हासिल करने की उम्मीद करते हैं - इनके बारे में हमारे मन में एक विचार है। “साभिप्राय” होना महत्वपूर्ण है क्योंकि जब हमारे मन में एक उद्देश्य होता है, तो हम जो कुछ भी करने के लिए खड़े होते हैं उसे प्राप्त करने की सँभावना कहीं अधिक बढ़ जाती है।

अपने कार्यस्थल के बारे में सोचें। आप जो कुछ भी करते हैं, उसमें से कितना “साभिप्राय” है?

इस बारे में सोचें कि आप कैसे “साभिप्राय” हो सकते हैं – आप जो कुछ भी करते हैं, उसके पीछे क्या कारण हैं?

...के बारे में सोचते हुए

साँस्कृतिक सक्षमता

सांस्कृतिक सक्षमता अपनी स्वयं की संस्कृति और पृष्ठभूमि को समझने और साथ ही अन्य संस्कृतियों के लिए खुलेपन और सम्मान का व्यवहार करने के बारे में है।

सांस्कृतिक सक्षमता हमें इस बात की पहचान करने में सहायता देती है कि संस्कृति हमारे विश्वासों और काम करने के तरीके में कितनी महत्वपूर्ण है। यह हमें अन्य व्यक्तियों में संस्कृति के महत्व को समझने में भी मदद देती है।

संस्कृति हमारे “अस्तित्व” व “जुड़ने की भावना” और साथ ही हमारी पहचान की भावनाओं के केंद्र में होती है। यदि बच्चों को अपना स्वागत और अपनी पहचान की भावना विकसित करनी है, तो हमें इस बारे में सोचने की ज़रूरत है कि हम जो कुछ भी कर रहे हैं, उसमें किस प्रकार से प्रत्येक बच्चे की संस्कृति दिखाई पड़ती है।

अपनी स्वयं की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बारे में सोचें - यह आपके विश्वासों और काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित करती है?

आपकी सेवा में बच्चे और परिवार आपके साथ प्रतिदिन के व्यवहार और वातावरण में अपनी सँस्कृति की झलक कहाँ देख सकते हैं?

...के बारे में सोचते हुए

परिवर्तन

बचपन से लेकर बच्चे कई बार परिवर्तन करते हैं। कुछ परिवर्तन बड़े होते हैं - स्कूल या चाइल्डकैयर या प्रिस्कूल पहली बार शुरू करना। कुछ छोटे होते हैं - शायद एक बड़ी सेवा में एक कमरे से दूसरे कमरे में स्थान बदलना, या फिर किसी दूसरी सेवा में जाना। यह सभी एक बच्चे के जीवन में महत्वपूर्ण बातें होती हैं।

परिवर्तन अवसर और चुनौतियाँ उपलब्ध कराते हैं। शिक्षकों के रूप में हमारी भूमिका यह होती है कि हम बच्चों (और उनके परिवारों) को यह परिवर्तन अधिक से अधिक आसानी से और सफलतापूर्वक करने में मदद दें।

आपकी देखभाल में बच्चे जो परिवर्तन करेंगे, उन सभी के बारे में सोचें। आप इनके लिए उन्हें तैयार करने में कैसे सहायता देंगे जिससे कि हरेक परिवर्तन अधिक से अधिक आसान और आरामदायक तरीके से किया जा सके?

आप परिवारों को परिवर्तन के लिए तैयार करने में उन्हें कैसे शामिल करेंगे?

...के बारे में सोचते हुए

मचान

मचान किसी इमारत का निर्माण किए जाने या उसकी मरम्मत के समय उसे सहारा देने के लिए एक अस्थायी संरचना होता है। यह सब कुछ एक-साथ जोड़कर रखने में मदद करता है जबतक कि इमारत खुद खड़े रहे पाने में सक्षम न हो जाए।

शिक्षा के क्षेत्र में मचान या संबल से तात्पर्य बच्चों की शिक्षा को समर्थन देने और उसका विस्तार करने में मदद करने से है। किसी इमारत पर मचान की तरह ही हमारी भागीदारी और ध्यानपूर्ण पूछताछ और सुझाव बच्चों की शिक्षा को संबल दे सकते हैं, जब वे शिक्षा ग्रहण कर रहे हों। हमारे समर्थन से बच्चों का शिक्षण अन्यथा की तुलना में अक्सर बेहतर और अधिक मूल्यवान बन जाता है।

आप बच्चों की शिक्षा को अपना समर्थन (या “संबल”) देने के तरीकों के बारे में सोचें – आप यह कैसे जान पाते हैं कि कब आपको स्वयं को शामिल करना चाहिए, कोई सवाल पूछना चाहिए या कोई टिप्पणी या सुझाव देना चाहिए, और किस समय बस उन पर नज़र बनाए रखनी चाहिए?

आप ऐसे सवाल कैसे पूछ सकते हैं या ऐसे सुझाव कैसे दे सकते हैं जो बच्चों की सोच को हतोत्साहित करने के बजाय उसे प्रोत्साहित करे?

...के बारे में सोचते हुए

निरंतर साझी सोच

जब बच्चों को एक-दूसरे और सहायक वयस्कों के साथ समस्याओं की जांच-पड़ताल और समाधान करने का अवसर मिलता है, तो उनकी सोच और उनका शिक्षण और अधिक गहरा और जटिल हो जाता है। एक-साथ काम करने की यह प्रक्रिया “निरंतर साझी सोच” होती है। परंतु “निरंतर साझी सोच” पर अनुसंधान से यह पता चला है कि शिक्षण सबसे ज्यादा प्रभावी तब होता है, जब:

- यह एक ऐसा अनुभव होता है, जिसे बाँटा जा सके;
- शिक्षक बच्चों के खेल में शिक्षण को “संबल” या समर्थन देने के लिए शामिल हों; और
- बच्चों को लंबी अवधि के ऐसे समय उपलब्ध हों, जिनमें वे खेल में और समस्याएं सुलझाने में गहराई से शामिल हो सकें।

अपनी सेवा में बच्चों के लिए उपलब्ध ऐसे अवसरों के बारे में सोचें जिनमें वे निरंतर साझी सोच में शामिल होते हैं – ऐसा कहाँ और कब होता है?

आप कितनी बार किसी बच्चे या बच्चों के किसी समूह में साझे तरीके से समस्या सुलझाने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं? आप बिना अपना अधिकार जताए कैसे इसमें भाग ले सकते हैं?

...के बारे में सोचते हुए

लचीलापन

लचीलापन - तनाव और निराशा से वापस उछाल की क्षमता - बच्चों के बाद के जीवन में सफलता का एक सबसे अच्छा द्योतक होता है। लचीलापन पहचान (ई वाई एल एफ परिणाम 1) और कल्याण (ई वाई एल एफ परिणाम 3) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह बच्चों को कठिनाइयों का सामना करने में लगनशीलता और सफलता के लिए सक्षम बनाता है।

लचीलेपन जैसी महत्वपूर्ण विशेषताएं "पढ़ाई" नहीं जा सकती हैं। वे आम-तौर पर कई अनुभवों के माध्यम से और देखभाल करने वाले शिक्षकों के साथ बच्चों के संबध विकसित करने के माध्यम से बन पाती हैं।

आप बच्चों में लचीलापन विकसित करने के लिए जो करते हैं, उसके बारे में सोचें - आप लगनशीलता, सकारात्मकता और आत्म-विश्वास की भावना कैसे प्रोत्साहित करते हैं?

आप बच्चों के साथ जो संबंध बनाते हैं, वे उन्हें और अधिक लचीलापन विकसित करने में कैसे मदद दे सकते हैं?

...के बारे में सोचते हुए

पाठ्यचर्या

ई वाई एल एफ की परिभाषा के अनुसार पाठ्यक्रम किसी एक दिन में होने वाली सभी बातें है। यह है - “सभी बातचीत, दिनचर्या और घटनाएं, चाहे वे नियोजित हों या नहीं, जो बच्चों की शिक्षा और विकास को बढ़ावा देने के लिए संरचित किसी वातावरण में घटित होती हैं।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 9)

इस तरह की व्यापक परिभाषा से हम “पाठ्यक्रम” के बारे में कुछ अलग ढंग से सोचते हैं। हम जो अनुभव करते हैं या जिन गतिविधियों के लिए योजना बनाते हैं या जिनके लिए तैयारी करते हैं, पाठ्यक्रम केवल इन सब के बारे में होने से कहीं अधिक है। दिनचर्या और रोजमर्रा की घटनाएं सीखने के लिए ऐसे अवसर दे सकती हैं जो दिन के अन्य समय पर उपलब्ध कराई गई गतिविधियों के समान ही मूल्यवान होते हैं।

अपनी सेवा में “पाठ्यक्रम” के बारे में सोचें – इसमें क्या-क्या शामिल है?

क्या यह पहले से नियोजित गतिविधियों से कहीं अधिक बढ़-चढ़ कर है?

आप भोजन के समय जैसी दिनचर्याओं का सीखने के अनुभवों के रूप में कैसे उपयोग कर सकते हैं?

आप अपनी पाठ्यक्रम योजना में बातचीत और संबंध बनाने को कैसे शामिल करते हैं?

CRL

...के बारे में सोचते हुए

समावेशन

“समावेशन” का उद्देश्य है - हर किसी का स्वागत करना व उसे महत्वपूर्ण और स्वीकार किए जाने की भावना उपलब्ध कराना है, चाहे उसकी उम्र, संस्कृति, पृष्ठभूमि या क्षमता कुछ भी हो।

समावेशी होने से तात्पर्य है कि हर किसी के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी को भी बाहर न छोड़ा जाए। कभी-कभी समावेशन की प्रक्रिया का उल्लेख विशेष रूप से इस बात के लिए किया जाता है कि हम अतिरिक्त आवश्यकताओं वाले बच्चों के साथ काम कैसे करते हैं। ई वाई एल एफ में इसका प्रयोग इस संबंध में किया जाता है कि हम कैसे सब बच्चों के साथ काम करते हैं और यह “अपनेपन” के विचार से निकटता के साथ संबंधित है।

अगर आपको समावेशित न किया जाए, तो जुड़ने की भावना विकसित हो पाना कठिन होता है।

इस बारे में सोचें कि समावेशन का आपके लिए क्या मतलब है - आप यह कैसे सुनिश्चित करते हैं कि किसी को भी छोड़ा न जाए?

आप किसी अनुचित स्थिति या व्यवहार पर क्या प्रतिक्रिया करते हैं?

आप बच्चों को इस बात की पहचान करने में कैसे मदद देते हैं कि क्या निष्पक्ष है और क्या नहीं?

आप बच्चों को दूसरों के मूल्यों, आवश्यकताओं और क्षमताओं का प्रत्युत्तर देने के लिए कैसे समर्थन देते हैं?

...के बारे में सोचते हुए

प्रतिक्रियात्मक अभ्यास

चिंतनशील होना ई वाई एल एफ के बुनियादी सिद्धांतों में से एक है। चिंतनशील बनना खुद से यह सवाल पूछने के बारे में है कि हम क्या करते हैं और हम इसे कैसे करते हैं। इसका अर्थ है:

- आप क्या करते हैं, इसके बारे में खुद के साथ ईमानदार होना;
- अलग-अलग तरीकों से काम करने के बारे में खुला मन रखना; और
- आप कैसे काम करते हैं, उन तरीकों को बदलने के लिए तैयार रहना।

यदि चिंतनशीलता न हो, तो हम उसी तरह से हमेशा काम करते रहेंगे जैसे पहले करते थे। चिंतनशील प्रतिक्रियात्मकता से हमें इस बारे में जान पाने में मदद मिलती है कि हम क्या करते हैं और हम क्यों ऐसा करते हैं। यह हमें बच्चों और परिवारों के सर्वोत्तम हित के बारे में विचारशील निर्णय लेने में मदद देती है।

आप अपने कार्यस्थल में चिंतनशील प्रतिक्रियात्मकता कैसे शामिल करते हैं?

आप यह कैसे सुनिश्चित करते हैं कि आपके पास सहयोगियों के साथ बातचीत करने के लिए समय है?

चिंतनशीलता के लिए हर कोई कैसे योगदान देता है?

...के बारे में सोचते हुए

आदिवासी और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी दृष्टिकोण

आदिवासी और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी परिवारों को अपने वातावरण में सांस्कृतिक रूप से सुरक्षित महसूस करने में समर्थन देने के लिए आरंभिक बाल-शिक्षा की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

आदिवासी और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी बच्चों के लिए आरंभिक बाल-शिक्षा शैक्षिक सफलता में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है। गैर-आदिवासी बच्चों के लिए आरंभिक बाल-शिक्षा एक ऐसा अवसर उपलब्ध कराती है जिससे वे आदिवासी और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी संस्कृति के साथ व्यवहार करना और पूरे ऑस्ट्रेलियाई समाज के साथ इसके महत्व को समझना शुरू कर सकें।

इस बारे में सोचें कि आप जो कुछ करते हैं उसमें आदिवासी और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी संस्कृति और ज्ञान के पहलु कैसे शामिल हैं?

आप जिन सभी बच्चों के साथ काम करते हैं, उनको आदिवासी और टॉरेस स्ट्रेट द्वीपवासी संस्कृति और बातें करने के तरीके समझने और उनका सम्मान करने में आप कैसे मदद देते हैं?

यदि आप आदिवासी या टॉरेस स्ट्रेट बच्चों के साथ सीधे काम करते हैं, तो आप उनके, उनके परिवारों और उनके समुदाय के लिए अपनापन और स्वागत की भावना कैसे बना सकते हैं?

...के बारे में बात करते हुए

अपनापन

“अपनेपन का अनुभव करना – यह जान पाना कि आप कहाँ और किससे संबंधित हैं - मानव अस्तित्व का एक अभिन्न अंग है।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 7)

इस बारे में सोचें कि आपको कहाँ अपनेपन की एक मजबूत भावना का एहसास हुआ है। यह कैसा लगता है, इसे किसी के साथ बाँटने की कोशिश करें। ऐसी कौन सी चीज है जिससे आपको अपनेपन का एहसास होता है?

ऐसा अनुभव आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है?

आप अपनेपन की यही भावना बच्चों के साथ अपने काम में कैसे ला सकते हैं?

...के बारे में बात करते हुए

अस्तित्व

“बचपन ऐसा समय होता है, जब आप संसार में अपना अस्तित्व बनाते हैं और संसार को खोजने और उसका अर्थ जान पाने की कोशिश करते हैं।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 7)

ई वाई एल एफ बच्चों के “अस्तित्व” के अधिकार का प्रबल समर्थन करता है। अस्तित्व होने का मतलब अपने पास समय और स्थान होना है, जिसमें आप जो कुछ भी कर रहे हैं उसमें अपने-आप को खो सकें। यह बच्चों को भविष्य के लिए जल्दी करने के बजाय अपने-आप में जीने की अनुमति देने के बारे में है।

आपकी सेवा में बच्चों को कहाँ और कब “अपने-आप” में रहने के अवसर मिलते हैं, इसके बारे में बात करें। आप अपने दिन की आवश्यक संरचना और दिनचर्या को “अस्तित्व” की असंरचित प्रकृति के साथ कैसे संतुलित करते हैं?

आप अपने “अस्तित्व” में रहने के लिए और क्या कर सकते हैं?

...के बारे में बात करते हुए

कुछ बनना

“कुछ बनने” का विचार हमें प्रत्येक बच्चे के भविष्य के बारे में सोचने के लिए पूछता है। युवा बच्चों के सामने उनका पूरा जीवन मौजूद होता है। आरंभिक बचपन के वर्षों में जो कुछ भी होता है, वह उनको भविष्य में कुछ बनने में मदद देता है। जब हम बच्चों की क्षमताओं की पहचान करते हैं और उन्हें पोषित करते हैं, तो हम उनके भविष्य में सफलता और खुशी को समर्थन देते हैं।

इस बारे में बात करें कि आपकी सेवा में कुछ बनने के विचार को कैसे पोषित किया जाता है। आप ऐसा क्या करते हैं जो प्रत्येक बच्चे में विकास और अपनी क्षमताओं को हासिल करने में मदद देता है?

अपनापन, अस्तित्व और कुछ बनना – ये आपस में कैसे ताल-मेल बैठाते हैं?

कुछ बनने में अपनेपन की भावना की क्या भूमिका होती है?

आप प्रत्येक बच्चे के “अस्तित्व” की भावना का अवसर, और साथ ही उसके भविष्य पर ध्यान देते हुए इसे कैसे बनाए रखते हैं?

...के बारे में बात करते हुए

संबंध

"जब बच्चे सुरक्षित, महफ़ूज़ और समर्थित महसूस करते हैं, तो उनमें बढ़ने और सीखने का आत्म-विश्वास पैदा होता है।" (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 20)

सुरक्षित, महफ़ूज़ और सहायक संबंध बच्चों की शिक्षा के लिए आवश्यक हैं।

अपने किसी सहकर्मी के साथ इस बारे में बात करें कि आप जिन बच्चों के साथ काम करते हैं, उनके संबंधों को आप कैसे समर्थन देते हैं। आप संबंध विकसित होने के लिए कैसे "योजना" बनाते हैं?

आप दोस्ती करने के लिए कैसे प्रोत्साहन देते हैं?

आप बच्चों को किसी समूह का हिस्सा बनने के लिए आवश्यक सामाजिक कुशलताएं विकसित करने में कैसे सहायता देते हैं?

...के बारे में बात करते हुए

आकलन

आकलन बच्चों की शिक्षा के लिए योजना बनाने और इसे समर्थन देने में हमारी सहायता के लिए एक अनिवार्य उपकरण है।

ध्यानपूर्ण और संवेदनशील आकलन के माध्यम से हम:

- प्रभावी ढंग से योजना बनाने के लिए आवश्यक जानकारी को एकत्र कर सकते हैं;
- परिवारों के साथ उनके बच्चे के शिक्षण के बारे में बात कर सकते हैं;
- बच्चों की प्रगति देख सकते हैं और उनकी प्रगति को समर्थन देने का सबसे अच्छा तरीका तय सकते हैं; और
- इस बात का मूल्यांकन कर सकते हैं कि हम जो कर रहे हैं, वह काम कर रहा है या नहीं।

आप बच्चों की प्रगति और शिक्षण का आकलन कैसे कर सकते हैं, इस बारे में बात करें। आप क्या-क्या जानकारी एकत्रित करते हैं और कैसे? आप यह कैसे सुनिश्चित करते हैं कि मूल्यांकन एक सकारात्मक प्रक्रिया है? आप हरेक बच्चे द्वारा "तय की गई दूरी" कैसे मापते हैं? जिस तरह से आप बच्चों के शिक्षण का आकलन करते हैं, वह ई वाई एल एफ के शिक्षण परिणामों से कैसे जुड़ा है?

...के बारे में बात करते हुए

शिक्षण के परिणाम

शिक्षण के परिणामों के साथ कार्य करने के लिए हमें बच्चों की चालू शिक्षा और विकास के लिए योजना बनाने की आवश्यकता होती है। हमें इस बारे में सोचने की ज़रूरत होती है कि हम कैसे बच्चों के अनुभवों के बीच संबंधों का निर्माण कर सकते हैं जिससे कि समय के साथ शिक्षण को समेकित किया जा सके।

पहचान, कल्याण, जुड़ाव, शिक्षण और प्रभावी संचार के प्रति सोचने के तरीके – इन सभी को समय के साथ समृद्ध अनुभवों के माध्यम से और विकसित किया जा सकता है।

इस बारे में बात करें कि आप समय के साथ शिक्षण की योजना कैसे बनाते हैं।

क्या आप लंबे समय के लिए और साथ ही अल्पकालीन योजनाएं बनाते हैं? जो कुछ भी आप करते हैं, वह सब प्रत्येक सप्ताह और प्रत्येक महीने में कैसे जोड़ा जाता है? आप परिणामों के संबंध में बच्चों के शिक्षण की योजना कैसे बनाते हैं? आप इस बात को कैसे मापते हैं कि परिणाम प्राप्त किए जा रहे हैं?

Inspired by our Garden
CLAY

...के बारे में बात करते हुए

अभिलेखन

हम बच्चों की शिक्षा का रिकॉर्ड अभिलेखन से रखते हैं। बच्चे जो कर रहे हैं, उसका अभिलेखन कर के हम आकलन, मूल्यांकलन और भविष्य में शिक्षण की बेहतर योजना बना सकते हैं। अपने अभिलेख में रिकॉर्ड की गई जानकारी हमें इस बारे में सूचना देने में मदद कर सकती है कि आगे क्या करना चाहिए। स्पष्ट और समझने में आसान अभिलेख हमारे लिए परिवारों और अन्य लोगों के साथ बच्चों की प्रगति के बारे में जानकारी बाँटने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

अभिलेखन में बच्चों के शिक्षण, तस्वीरें या उनके काम के नमूने व विश्लेषण, और साथ ही ऐसे कोई भी अन्य रिकॉर्ड शामिल हो सकते हैं जो किसी विशेष बच्चे की प्रगति दर्शाने में मदद करें।

आप वर्तमान में बच्चों की शिक्षा का अभिलेखन कैसे करते हैं? आप यह कैसे सुनिश्चित करते हैं कि आपके द्वारा एकत्र की गई जानकारी प्रासंगिक और सार्थक है? यह आपको बच्चों की शिक्षा का आकलन करने और आगे की योजना बनाने में कैसे मदद दे सकता है? ऐसे कौन से अवसर मौजूद हैं जिन पर एक टीम के रूप में अभिलेखों पर चर्चा की जा सकती है और उन्हें बाँटा जा सकता है? और परिवारों के साथ?

My Family
Katrine's children

...के बारे में बात करते हुए

पहचान

पहचान की सशक्त भावना बच्चों की शिक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब बच्चों को यह पता होता है कि वे कौन हैं, और जब उन्हें अपने-आप में आत्म-विश्वास होता है, तो वे बेहतर तरीके से सीख सकते हैं और दूसरों के साथ संबंध बना सकते हैं। परंतु पहचान की भावना जटिल होती है। हरेक व्यक्ति की पहचान की भावना अलग-अलग होती है, और पहचान अलग-अलग उम्र में अलग-अलग दिखाई पड़ती है।

इस बारे में बात करें कि आपके लिए पहचान की भावना का क्या मतलब है और यह कैसे दिखाई देती है। आप किसी बच्चे में पहचान की एक सशक्त भावना कैसे देख पाएंगे?

जिस आयु-वर्ग के बच्चों के साथ आप काम करते हैं, उनके बारे में सोचते हुए इस बारे में बात करें कि अलग-अलग उम्र में पहचान कैसी दिखाई देती है – एक छोटे बच्चे में? एक शिशु में? पांच साल के एक बच्चे में?

...के बारे में बात करते हुए

कल्याण

“कल्याण में अच्छा शारीरिक स्वास्थ्य, खुशी, संतुष्टि और सफल रूप से सामाजिक काम-काज करना शामिल है... कल्याण की एक सशक्त भावना से बच्चों में आत्म-विश्वास और आशावाद विकसित होता है जो उनके सीखने की क्षमता को अधिक से अधिक बढ़ा सकता है।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 30)

कल्याण का मतलब अपने बारे में अच्छा महसूस करना है। यह पहचान और आत्म-सम्मान व आत्म-मूल्य की भावनाओं के साथ नज़दीकी से जुड़ा हुआ है। इसमें शारीरिक सक्रियता, पोषण और स्वास्थ्य भी शामिल है – हम जैसा महसूस कर रहे हैं, उसमें ये सभी कारक एक बड़ा योगदान देते हैं।

आपका कार्यक्रम बच्चों में कल्याण की भावना को कैसे प्रोत्साहित करता है?

एक टीम के रूप में इस बारे में बात करें कि बच्चे अपने-आप और अपनी क्षमताओं के बारे में अच्छा महसूस करना कैसे सीख सकते हैं।

आपका कार्यक्रम हरेक बच्चे के शारीरिक विकास और स्वस्थ जीवन-शैलियों के बारे में जागरुकता को कैसे बढ़ावा देता है?

...के बारे में बात करते हुए

खेल आधारित शिक्षा

खेल के माध्यम से बच्चे:

- अपनी दुनिया की समझ विकसित करते हैं;
- अपने स्वयं के हितों और विचारों का पता लगाते हैं और उन्हें विकसित करते हैं;
- जिज्ञासा, रचनात्मकता और समस्याओं को सुलझाने की कुशलताएं विकसित करते हैं; और
- संबंधों, सामाजिक कुशलताओं और भाषा का निर्माण करते हैं।

शिक्षक खेलने और सीखने को समर्थन देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब शिक्षक सीधे रूप से शामिल होते हैं, तो बच्चों के खेल समृद्ध बन पाते हैं। खेल में शामिल होकर शिक्षक बच्चों के खेलने और सीखने के अवसरों में उनको समर्थन, मार्गदर्शन और विस्तार उपलब्ध करा सकते हैं।

एक शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका और आप कैसे अपने बच्चों के खेल में शामिल हो सकते हैं, इस बारे में सोचें। खेल में शिक्षक की भागीदारी के मूल्य के बारे में चर्चा करें। बच्चों के खेल के विस्तार और अधिक जटिल सोच और शिक्षण को प्रोत्साहन देने में कौन सी रणनीतियां सबसे अच्छा काम करती हैं? आप बिना अधिकार जताए बच्चों के खेल में प्रतिभाग कैसे ले सकते हैं और इसका मार्गदर्शन कैसे कर सकते हैं? क्या आप परिवार के साथ खेल के मूल्य को बाँट सकते हैं?

...के बारे में बात करते हुए

विविधता

“विविधता का सम्मान करने का मतलब है... परिवारों की प्रथाओं, मूल्यों और विश्वासों को महत्व देना और उनको दर्शाना।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 13)

अपनेपन की एक सच्ची भावना विकसित करने के लिए हमें प्रत्येक बच्चे और प्रत्येक परिवार की अपनी पृष्ठभूमि, संस्कृति और मान्यताओं के लिए सम्मान और समझ दिखाने की ज़रूरत होती है।

विविधता का स्वागत और समावेशन करके हम प्रत्येक बच्चे और परिजन को अपनी सेवा का एक हिस्सा महसूस करने में मदद देते हैं। हम उस विविधता को मूल्य देने की भावना का भी समर्थन करते हैं।

आप जिन बच्चों और उनके परिवारों के साथ काम करते हैं, उनके बारे में सोचें। आप परिवारों का स्वागत और उन्हें स्वीकार किए जाने की भावना कैसे उपलब्ध करा सकते हैं?

आप जो कुछ भी करते हैं, उसमें बच्चे और परिवार अपने बारे में कुछ परिलक्षित बातें कैसे देख सकते हैं?

आप जो कुछ भी करते हैं, उसमें दूसरों की विविधता, विशेष रूप से बच्चों की विविधता के प्रति सम्मान की अवरचना कैसे हो पाती है?

HOLDEN

...के बारे में बात करते हुए

परिवारों के साथ साझेदारी

“जब परिवार और शिक्षक छोटे बच्चों के शिक्षण को समर्थन देने के लिए साझेदारी में एक-साथ काम करते हैं, तो बच्चे बहुत अच्छी तरह से फल-फूल सकते हैं।” (*अर्ली इअर्स लर्निंग फ्रेमवर्क*, पृष्ठ 9)

परिवारों के साथ साझेदारी मजबूत रिश्तों के साथ शुरू होती है। किसी बच्चे के दिन के बारे में कुछ सार्थक बातें बाँटना संबंध बनाने का एक सशक्त तरीका है। परिवार पहले से ही अपने बच्चे के सर्वोत्तम हित की इच्छा रखते हैं। जब वे यह देखते हैं कि हम भी ऐसी इच्छा करते हैं, तो इससे विश्वास और सम्मान के निर्माण में मदद मिलती है।

इस बारे में सोचें कि आप परिवार के साथ जानकारी कैसे बाँटते हैं। एक टीम के रूप में यह चर्चा करें कि आप किस तरह की जानकारी प्रदान करते हैं और यह कितनी सार्थक है।

क्या यह किसी बच्चे के शिक्षण की परख दे सकती है या यह व्यक्त कर सकती है कि उनके दिन के बारे में क्या विशेष था?

क्या यह दिखा सकती है कि आप हरेक बच्चे में रुचि और हरेक बच्चे के बारे में जानकारी रखते हैं?

क्या यह परिवारों के साथ संबंध बनाती है?